

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बुनकरों के हति में बड़ा फैसला

चर्चा में क्यों?

- 15 दिसंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के हज़ारों बुनकर परिवारों के हति में बड़ा फैसला लेते हुए स्कूली छात्रों के गणवेश वस्त्रों का कर्य छत्तीसगढ़ हथकरघा विकास एवं वपिणन सहकारी संघ मर्यादति के माध्यम से करने के नरिदेश दधि ।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री के इस महत्त्वपूर्ण फैसले से हथकरघा विकास एवं वपिणन सहकारी संघ से जुड़े हज़ारों बुनकरों को नयिमति रोज़गार मल्लिगा और उन्हें आर्थकि लाभ पहुँचेगा ।
- मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद स्कूल शकिषा वभिग ने शकिषण सत्र 2022-23 के लधि गणवेश वस्त्रों के कर्य के संबंघ में छत्तीसगढ़ हथकरघा विकास एवं वपिणन सहकारी संघ मर्यादति को सैद्धांतकि सहमतप्रदान कर दी है ।
- स्कूल शकिषा वभिग के प्राथमकि-माध्यमकि वदियार्थयिों को नःशुल्क और हाईस्कूल-हायर सेकेंडरी स्कूलों में अधयनरत् आर्थकि रूप से कमज़ोर परिवारों के वदियार्थयिों को मात्र 10 रुपए में गणवेश वतिरति कधि जाएगा ।
- गौरतलब है कि राज्य में 292 बुनकर समतियिों कार्यरत् हैं, जनिमें से 250 बुनकर समतियिों हथकरघा संघ में 59 प्रकार के शासकीय वस्त्रों के उत्पादन में संलग्न हैं । राज्य सरकार द्वारा वगित तीन वर्षों में राज्य में कार्यरत् 651 महिला स्व-सहायता समूहों की 7812 महिलाओं को भी गणवेश वस्त्र सल्लाई में अतरिकित रोज़गार उपलब्ध कराया गया ।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने हथकरघा बुनाई रोज़गार को अपनाने के लधि इच्छुक 1346 हतिग्राहयिों को नवीन बुनाई प्रशकिषण हेतु तथा 3100 परंपरागत बुनकरों के कौशल प्रशकिषण हेतु लगभग 10.02 करोड़ रुपए की राशप्रदान की है ।
- इसके साथ ही हथकरघा संघ द्वारा बुनकरों के बच्चों को प्रोत्साहति करने के लधि कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 60 प्रतशित अंक से उत्तीर्ण होने वाले 885 वदियार्थयिों को 36.19 लाख रुपए की छात्रवृत्तप्रदान की गई है ।